

Course: Regular B.A. Part III (Hons)

Paper: - VI

Topic - Neo Freudians (Main contributions)

Prepared by: Prof. (Dr.) Kamal Varma, Coordinator
- at U.G. Psychology, N.O.U.

नव फ्रायडिअन्स में कार्ल एनी एरिक फ्रोम और हैरी स्टैक सुलिवन का नाम आता है, उनके प्रमुख योगदान का विवरण संक्षिप्त में प्रस्तुत है।

नव फ्रायडवादी मनोवैज्ञानिकों ने काफी समय तक मनो विश्लेषण के द्वारा किया करते थे, कुछ समय बाद उन्हें बिरागो एक संभाषण (lecture) में जाना पड़ा वहाँ उन्होंने मनो विश्लेषण एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया जिसे सामाजिक दृष्टिकोण (socio-logical viewpoint) से नाम से जाना जाता है।

सन 1937 में जियाँ Anxiety पर एक पुस्तक प्रकाशित हुई जिसमें मनःस्नायु विकृति के बारे में विस्तृत चर्चा की है, तथा इसके (neurosis) व्यक्तित्व के सांस्कृतिक तत्वों (aspects) पर प्रभाव डाला है। उनके अनुसार जो एक सांस्कृतिक एवं सामाजिक परिस्थिति में मनःस्नायु विकृत है जरूरी नहीं कि दूसरे में भी है।

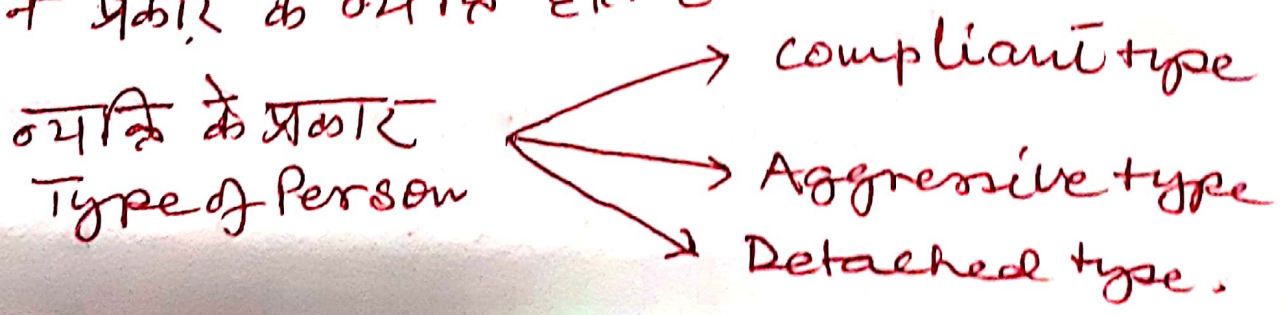
मनः स्नायुविकृति के प्रमुख कारणों में -

- सहानुभूति की कमी (Lack of sympathy)
- प्यार एवं स्नेह की कमी (Lack of affection)
- असंतुष्टी (dissatisfaction)

मनः स्नायुविकृत व्यक्तित्व सामाजिक एवं संवेगनात्मक रूप से असंतुष्ट तथा deprived होते हैं, प्यार एवं स्नेह पाने के लिए वे अत्यन्त-विकृत तथा असांवाहिक व्यवहार करते हैं, प्यार के मांगने में बहुत Possessive होते हैं प्यार के मांगने में। इन्होंने एक दूसरी पुस्तक New ways to psychoanalysis (मनोविक्रमण की नई संभावनाएँ) जिसका मुख्य आचार सांस्कृतिक तत्व है,

Oedipus complex की संकल्पना सही नहीं है। इनकी तीसरी किताब 1945 में प्रकाशित हुई "Our inner conflict" (हमारे आंतरिक संघर्ष)

हमारे आंतरिक संघर्ष के आचार सामाजिक और सांस्कृतिक होते हैं जिन्हें प्रत्येक व्यक्ति अपनी अपनी बहानों से समाधान करता है जिसे इन्होंने तीन प्रकार के व्यक्ति होते हैं -



इन्होंने मानसिक रोगियों की चिकित्सा में अंडे तथा पराअंड (Egg & Super Egg) का ईड (Iv) की तुलना में ज्यादा महत्व है ,

अगर इरिक फोरम की बात की जाय तो इन्होंने मनोविज्ञान की चिकित्सा पद्धति में नई विचारधारा को प्रस्तुत किया। इन्होंने मनोविश्लेषण का प्रशिक्षण बर्लिन से प्राप्त किया ,

इन्होंने अपना शोधकार्य (Research work) 1926 में शुरु किया। बाद में इन्होंने इसका प्रकाशन एक पुस्तक में "Escape from freedom" में किया, इस पुस्तक में इन्होंने चिकित्सा पद्धति में सामाजिक तत्वों का प्रभाव दिखलाया ,

फोरम के अनुसार अनियोजन (Adjustment) की प्रक्रिया सिर्फ वातावरण पर ही निर्भर नहीं करता है बल्कि उसके सांस्कृतिक परिवेश तथा अधिगम (Learning) पर निर्भर करता है, व्यक्तित्व के प्रकार पर ही नहीं।
जहाँ तक सम्बन्धों (Relationship) की बात होती है उनका सम्बन्ध हमारे मानसिक स्वास्थ्य (Mental Health) पर निर्भर करता है, जीवन के अन्य महत्वपूर्ण पहलु जो

व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित करते हैं। -

(Love) प्रेम, (affection) स्नेह, Motoractivities
 'शारीरिक (क्रियात्मक) अभिव्यक्तियाँ तथा
 (Thinking) चिन्तन प्रक्रिया है।

फ़ॉरेम ने मानवतावादी तत्वों (Humanitarian aspects) पर विशेष प्रकाश डालते हुए
 विकसित किया है, एक व्यक्ति को सम्पूर्ण रूप से
 विकसित करने के लिए धर्म (Religion) भी
 बहुत महत्वपूर्ण होता है।

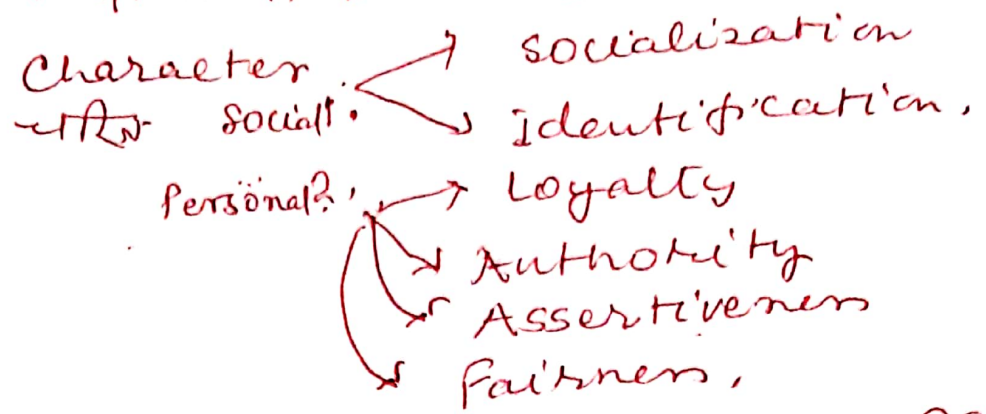
अभियोजन (Adjustment) किली भी
 व्यक्ति की वो सम्पूर्ण प्रक्रिया है जिसमें (social,
 सामाजिक (economical) आर्थिक (Political)
 राजनीतिक परिस्थितियाँ होती हैं,
 समाजीकरण (socialization) की प्रक्रियामें
 पहचान (identical) सबसे ज्यादा
 महत्वपूर्ण है।

इन्होंने इन प्रत्ययों (concepts) का वर्णन
 किया है -

- Escapism (पलायन)
- स्वयंपीडन (Machochism)
- परपीडा (Sadism)
- विध्वंसात्मकता (Destructiveness)
- अनुत्पत्ता (conformity)

इन्होंने व्यक्तित्व एवं चरित्र (Personality &
 character)

चारित्र्य में दो तत्वों का वर्णन है।



सुलिवन ने फ्रायड से ज्यादा प्रभावित नहीं हुए थे वे तथा उनके प्रत्ययों का इस्तेमाल नहीं किया। इन्होंने अन्तर्व्यक्तिगत सम्बन्धों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह तब प्रभावित होती जब बचपन के सम्बन्ध (Child relationship) दूसरों को प्रभावित करते हैं।

व्यक्ति व्यवहार के मुख्य दो उद्देश्य होते हैं

security (सुरक्षा)

Satisfaction (संतुष्टि)

व्यक्तित्व के विकास में निम्नलिखित पाँच तत्व होते हैं -

1. Infancy (शिशुवावस्था)
2. Childhood (बाल्यावस्था)
3. Puberty (किशोरावस्था)
4. Pre-adolescent (पूर्व किशोरावस्था)
5. Adult (वयस्क)
(प्रारम्भिक किशोरावस्था)

इन्होंने अनुभव (Experience) को भी विद्वत्-
गम्याख्या हुई है -

1. Protaxic (मूल अनुभव)
2. Parataxic (बाह्यगत)
3. Syntaxic (सामाजिक)
4. Dynamisms, (जट्यात्मकता)

इन्होंने फ्रायड के लिबिडो (Libido) को भी नई
स्वीकारा। इस जगह पर इन्होंने जट्यात्मकता
(Dynamisms) को प्रयोग में लाया।

इस प्रकार इस नवीन विश्लेषण की पद्धतियों
में पुराने प्रत्ययों (Old concepts) को जगह पर
नए प्रत्ययों को जन्म दिया एवं उनका प्रयोग

किया।

K. Var
18.06.2019.

18.06.2019.

15/6/19